ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

# हिंदी ऑनलाइन कक्षा

## कक्षा - आठवीं

**विषय – हिंदी**
**पाठ : ५**
**पाठ का नाम :जो बीत गई सो बात गई**



Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

## निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कवि को क्यों लगता है कि अंबर शोक नहीं मनाता?

(क) 'अंबर अर्थात् आसमान को शोक नहीं मनाना चाहिए' कवि को ऐसा इसलिए लगता है कि सभी प्राकृतिक प्रक्रियाएँ स्वत: संचालित हैं। शोक मनाने से या दुख प्रकट करने से इसमें किसी तरह का परिवर्तन होना संभव नहीं है।

(ख) 'जो छूट गए फिर कहाँ मिले!' इस पंक्ति का तात्पर्य क्या है?

(ख) "छूट गए फिर कहाँ मिले?" कविता की इस पंक्ति का तात्पर्य यह है कि जिस क्रम या व्यवस्था से हम अलग हो जाते हैं वहाँ पुन: पहुँच पाना संभव नहीं होता। उसके लिए किए गए सभी प्रयास निरर्थक होते हैं। इसके बारे में अधिक सोचने से केवल समस्याएँ ही बढ़ती हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP

(ग) 'वह सूख गया तो सूख गया।' क्या सूख रहा है और क्यों?

(ग) "वह सूख गया तो सूख गया" इस पंक्ति से दो अर्थ व्यक्त होते हैं। एक फूल के अर्थ में और दूसरा व्यक्ति के अर्थ में। फूल के अर्थ में यह कि सूखे फूल कभी भी फिर से नहीं खिलते क्योंकि उसमें वे तत्व अब नहीं होते जो कि उसे फिर से पुष्पित कर सकें। व्यक्ति के अर्थ में यह कि जब उसका स्नेह किसी के प्रति समाप्त हो जाता है तो वह पुनः पहले जैसा नहीं हो पाता।

(घ) 'जो मुरझाईं फिर कहाँ खिलीं!' इसका क्या अर्थ है?

(घ) "जो मुरझाई फिर कहाँ खिली", इस काव्य पंक्ति का आशय यह है कि एक बार नष्ट होने के बाद या प्रभावहीन होने के बाद भी कुछ भी अपने सौंदर्य रूप में नहीं हो सकता। उदाहरण के रूप में कवि ने उन लताओं का उदाहरण दिया जो हमेशा फूलों से लदी होती थी परंतु मुरझाने पर उसमें फूल नहीं खिल सकते।

ODM EDUCATIONAL GROUP

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) 'जो बीत गई सो बात गई' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - "जो बीत गई सो बात गई" ------ इस पंक्ति का भाव यह है कि हमें सुख-दुख दोनों स्थितियों में समान भाव से जीवन बिताना चाहिए ।कभी भी ऐसी बातों या घटनाओं को लेकर दुखी नहीं होना चाहिये जिसमें अपने ही घनिष्ठ लोग छूट गए हों ।अतः जीवन में सफलता तथा अस्तित्व को बनाए रखने के लिए धैर्य की नितांत आवश्यकता है ।

(ख) 'सूखी कलियाँ' तथा 'सूखे फूल' के माध्यम से कवि क्या दर्शाना चाहता है?

उत्तर - 'सूखी कलियाँ ' तथा 'सूखे फूल ' के माध्यम से कवि यह दर्शाना चाहते हैं कि प्रकृति की प्रक्रिया के अनुसार उपवन में फूल सूख जाते हैं, कलियाँ मुरझा जाती है फिर भी उपवन शांत भाव से सब कुछ सहन कर लेता है ।हमें भी विपत्ति में धैर्य नहीं खोना चाहिए ।

ODM EDUCATIONAL GROUP

## भाषा ज्ञान

1. क्रिया के मुख्यत: दो भेद होते हैं– अकर्मक और सकर्मक।

(क) **सकर्मक क्रिया**–जिस क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है तथा जिसके प्रयोग में कर्म की अनिवार्यता बनी रहती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे–

- राजेश ने फूल तोड़ा।

यहाँ तोड़ा क्रिया का प्रभाव फूल पर पड़ रहा है।

(ख) **अकर्मक क्रिया**–जिस क्रिया का फल कर्म पर नहीं, कर्ता पर पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे–

- राजेश दौड़ गया।

यहाँ दौड़ गया में कर्म की आवश्यकता नहीं है। ये सीधे-सीधे कर्ता से संबंधित है।

**इस कविता में से अकर्मक और सकर्मक क्रिया के दो-दो वाक्य ढूँढ़कर लिखिए–**

क)अकर्मक क्रिया वाली पंक्तियाँ

1. अंबर कब शोक मनाता है ।
2. कितने इसके तारे टूटे ।

(ख) सकर्मक क्रिया वाली पंक्तियाँ

1. अंबर के आँगन को देखो ।
2. मधुबन की छाती को देखो ।

ODM EDUCATIONAL GROUP

2. कुछ क्रियाएँ की जाती हैं और कुछ स्वयं हो जाती हैं; जैसे–

- सीता खाना खा रही है। (क्रिया की जा रही है–करना)
- फ़सल उग रही है। (क्रिया स्वयं हो रही है–होना)

**निम्नलिखित वाक्यों से 'करना' तथा 'होना' वाली क्रियाएँ छाँटकर नाम तक रेखा खींचिए–**

फूल सुंदर है।

माली पौधे लगा रहा है।

बच्चों कां नाटक हो रहा है।

आँधी आई।

करना

होना

गांधी जी सत्य के पुजारी थे।

वर्षा हो रही है।

बच्चे चुप हैं।

वह गाता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP

**उत्तर** =

| | |
|---|---|
| फूल सुंदर है । | (होना ) |
| माली पौधे उगा रहा है । | (होना ) |
| बच्चों का नाटक हो रहा है । | (करना) |
| आँधी  आई । | (होना ) |
| गाँधी जी सत्य के पुजारी थे। | (करना) |
| वर्षा हो रही है । | (होना ) |
| बच्चे चुप हैं । | (होना ) |
| वह गाता है । | (करना ) |

ODM EDUCATIONAL GROUP

# THANKING YOU

# ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP